

## प्रधानमंत्री 15 नवंबर को खूंटी में 'पीएम-पीवीटीजी डेवलपमेंट मशिन' करेंगे लॉन्च

### चर्चा में क्यों?

10 नवंबर, 2023 को मीडिया से माली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' (भगवान बरिसा मुंडा की जयंती) पर खूंटी ज़िले में 'पीएम-पीवीटीजी डेवलपमेंट मशिन' का शुभारंभ करेंगे।

### प्रमुख बिंदु

- पीएम-पीवीटीजी डेवलपमेंट मशिन कार्यक्रम का उद्देश्य कमजोर आदवासी समूहों (पीवीटीजी) की सामाजिक आर्थिक स्थिति में सुधार लाना है। इसके लिये केंद्रीय बजट में अनुसूचित जनजातियों के लिये 15,000 करोड़ रुपए की उपलब्धता की परिकल्पना की गयी है।
- मशिन में पछिड़ी अनुसूचित जनजातियों के लिये बस्तियों में सुरक्षा आवास, स्वच्छ पेयजल व स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य व पोषण, सड़क तक बेहतर पहुँच जैसी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराना शामिल है।
- **प्रधानमंत्री पीवीटीजी विकास मशिन:**
  - वदिति हो कर केंद्रीय वतित मंत्री नरिमला सीतारमण ने 1 फरवरी, 2023 को केंद्रीय बजट 2023-24 के तहत 'प्रधानमंत्री पीवीटीजी विकास मशिन' (Pradhan Mantri PVTG Development Mission) की घोषणा की थी।
  - केंद्र सरकार ने अगले तीन वर्षों में इस मशिन को लागू करने के लिये 'अनुसूचित जनजातियों हेतु विकास कार्य योजना' के तहत 15,000 करोड़ रुपए आवंटित किये हैं।
- **वशिष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (PVTGs):**
  - गृह मंत्रालय ने देश के 18 राज्यों तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह संघ राज्य-क्षेत्र के 75 जनजातीय समूहों को वशिष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के रूप में वर्गीकृत किया है।
  - आदवासी समूहों में पीवीटीजी सबसे अधिक कमजोर हैं। वर्ष 1975 में भारत सरकार ने सबसे कमजोर जनजातीय समूहों को PVTGs नामक एक अलग श्रेणी के रूप में पहचानने की पहल की थी।
  - प्रारंभ में 52 जनजातीय समूहों को पीवीटीजी के रूप में वर्गीकृत किया गया। वर्ष 1993 में इस श्रेणी में 23 अतिरिक्त जनजातीय समूहों को शामिल किया गया, जिससे पीवीटीजी के तहत वर्तमान में 75 जनजातीय समूह हो चुके हैं।
  - 75 सूचीबद्ध पीवीटीजी में से सबसे अधिक संख्या ओडिशा (13) में पाई जाती है, इसके बाद आंध्र प्रदेश (12) का स्थान है।